

महावाणी - विश्वकल्याण की वाणी

०६/१०/२०२६

ॐ परमात्मने नमः

परमात्मा सतगुरु जी को नमस्ते। परमात्मा सतगुरु जी को यह सेवा समर्पण है।

सभी आत्माएं अपने मूलस्वरूप स्थिति में स्थित हो जाएं... सभी अपने लाइट को ऑन करें... आप आत्मा से लाइट निकल रही है.. देखिए उस लाइट को... आप आत्मा की लाइट को आप आत्मा फील करें.. उसका अनुभव करें... देखिए आपकी लाइट को अगले दस सेकंड के लिए.. आप आत्मा की लाइट को फुल्ली इमर्ज रखें... सभी आत्माएं अगले तीन मिनट के लिए, अपनी लाइट को फुल्ली जागृत रखें... कॉन्ससियसली देखिए आप आत्मा की लाइट, चारों दिशा में आप आत्मा से फैल रही है.. आप आत्मा का जो लाइट का टॉर्च है, उसका फोकस चारों दिशा में जा रहा है, बहुत दूरी पर वह पहुंच रहा है.. सभी आत्माएं इस स्थिति में तीन मिनट के लिए बैठे और देखिए अपनी लाइट कहां-कहां पहुंच रही है.. सभी देखें...

क्या सभी ने आप आत्मा की लाइट का फोकस देखा? कितना दूर तक पहुंच रहा था? किसी ने अनुभव किया? जब-जब आपको आपके पूरे दिन भर में कर्म करते, समय निकालकर इस अवस्था में बीच-बीच में, यह अभ्यास कम से कम तीन मिनट का करना आवश्यक है। क्योंकि समय तो बीतता जाएगा। समय कभी किसी के लिए रुकता नहीं है। पर आपको हर समय को सफल करना होगा। जितना-जितना आप आपकी लाइट को देखेंगे, उतना जल्दी आपकी लाइट से सबसे पहले आपके अंदर परिवर्तन आएगा। जितना-जितना आप आपकी लाइट में रहेंगे, आपके विचार शुद्ध हो जाएंगे। आपके संकल्प शुद्ध हो जाएंगे। आपका मन शांत हो जाएगा और आपका मन, आप आत्मा के कल्याण के प्रति, आप आत्मा के परिवर्तन के प्रति संकल्प रचता जाएगा। आपका मन शुद्ध है। बस मायावी अस्तित्व के

कारण उसके ऊपर एक पर्दा आया है। जिसके कारण वह मायावी अस्तित्व, जो अकल्याणकारी विपरीत विचार है, वह विचार वो मन को देकर मन को प्रभावित करता है। पर जितना-जितना आप आत्मा की लाइट ऑन रहेगी, वह मायावी पर्दा जलकर भस्म हो जाएगा। फिर आपके मन के पास कोई विपरीत अस्तित्व विचार नहीं दे पाएगा। बल्कि आप आत्मा लाइट में रहने के कारण, उस लाइट से आपके संबंध-संपर्क में जितने भी आते जाएंगे, उन पर उस लाइट का सकारात्मक प्रभाव आएगा, उनके भी मन शांत हो जाएंगे। भल वो अस्तित्व उनके लाइट में स्थित ना भी हो, पर आप आत्मा आपके लाइट में उपस्थित होने के कारण, आपके संबंध-संपर्क में जितने भी आत्माएं, अस्तित्व आते जाएंगे उनको अपने आप शांति महसूस होगी। क्योंकि आप आत्मा ने, आप आत्मा की लाइट को ऑन किया और लाइट जैसे ही ऑन हो गयी उसके साथ आत्मा के सभी गुण-शक्तियां, उनकी लाइट प्रभावित हो जाती है, उनकी लाइट एक्टिव हो जाती है और वही लाइट वातावरण में फैलती है। आपको अलग से कोई गुण या कोई शक्ति का किसी को अलग रूप से सकाश देने की जरूरत नहीं है। आप सिर्फ आपके लाइट के फॉर्म में, आप आत्मा की मूलस्वरूप के स्थिति में स्थित हो जाना। आपके संबंध-संपर्क में जितने भी आते जाएंगे, उन सभी को जो-जो आंतरिक रूप से उनके लिए जो ऊर्जा चाहिए — फिर वो शांति की हो, स्थिरता की हो, प्रेम की हो, सुख की हो, शक्ति की हो, पवित्रता की हो, आनंद की हो, हर प्रकार की गुणों की ऊर्जा, जिसको जो चाहिए, उस समय जिसको जिसकी जरूरत है, वह अपने आप उनको वह ऊर्जा मिलती जाएगी। यह है आपके लाइट में रहने का कमाल। आपको कॉन्ससियसली किसी को कोई गुण या शक्ति का दान करने की जरूरत नहीं होगी। आप सिर्फ आपकी लाइट को ऑन करना।

जैसे संसार में इंटरनेट है, जहां पर भी इंटरनेट ऑन होता है, सभी अपने साधन से उस इंटरनेट को, उसके वाईफाई को एक्सेस करके, उनको जो-जो इंफॉर्मेशन ढूंढनी है, वह सारी उनको मिल जाती है। पर अगर इंटरनेट का, उस वाईफाई का स्विच ऑफ रहा, तो किसी के भी साधन उस वाईफाई पे, इंटरनेट पे कनेक्ट नहीं हो पाएंगे और ना ही वो कुछ खोज कर पाएंगे। उस ही प्रकार से, आपको बस आप आत्मा की

लाइट को कॉन्ससियसली जागृत रखना होगा। फिर आप जितना-जितना आप आत्मा की लाइट को जागृत रखेंगे, उतना-उतना दूर तक आप आत्मा की लाइट फैलेगी और उस लाइट के कांटेक्ट में जो भी कोई अस्तित्व होंगे, उनको भी वह लाइट प्रभावित करेगी, उनको भी उस लाइट से उनके लिए जो भी आंतरिक रूप से गुण-शक्तियों की जरूरत है, वो सारा उनको मिलता जाएगा। उनकी बुद्धि में अच्छे विचार, उनका विजन दिखना शुरू होगा। उनके संस्कार जो विपरीत थे, वह उनको रियलाइज होता जाएगा कि यह हमारा कर्म सही नहीं है, हमें इसे चेंज करना चाहिए। यह विचार उनके मन में कहां से आया? क्योंकि आप आत्मा की लाइट ऑन होने के कारण, उस लाइट के शक्ति से उनके अंदर उनको जो परिवर्तन करना है, वह उसकी टचिंग उनको मिल जाएगी। उनको उनके अंदर क्या परिवर्तन करना है, उसके लिए उनको रास्ता मिलेगा।

जैसे किसी का शरीर अगर कमजोर होता है, तो डॉक्टर उनको दवाइयां देते हैं, खानपान के लिए सुझाव करते हैं कि आप आपके खानपान में इस प्रकार के फल का, सब्जी का या जो भी, जिससे आपके शरीर को मजबूती मिले, ताकत मिले उसका इस्तेमाल करना। उस ही प्रकार से जब आत्मा को अपने मन को शुद्ध करना है, बुद्धि के विजन को शुद्ध करना है, अपने संस्कारों को परिवर्तित करना है, तो आत्मा को भी ताकत की जरूरत होती है। वह ताकत तब मिलेगी, सबसे पहले जब आत्मा अपने उस लाइट के फॉर्म में स्थित रहेगी।

पर जिनको यह ज्ञान नहीं है, पर उनके आत्मा का भी परिवर्तन करना जरूरी है, उनके आत्मा का भी कल्याण होना चाहिए - यह अगर आप आत्मा को लगता है दिल से, तो आप जब भी आपकी लाइट ऑन करोगे, आप आत्मा की, तो उस लाइट से उन सभी को भी वह ताकत मिलती जाएगी कि उनको उनके अंदर क्या-क्या परिवर्तन करना है, यह रियलाइज करने की। बाकी आगे की प्रोसेस तो एक बार आत्मा ने रियलाइज किया, अपने आप उसके अंदर वह परिवर्तन आता जाएगा।

तो यह है आप आपके घर में बैठकर, आपके स्थान में बैठकर आप आत्मा की लाइट को ऑन रखने से, आपके द्वारा कितने सारे आत्माओं को, अस्तित्वों को वह लाइट मिलेगी और उनको भी उनके परिवर्तन का, कल्याण का रास्ता मिलेगा। क्योंकि इस संसार में सभी को परिवर्तित होना है। सभी चाहते हैं हमारा भी कल्याण हो जाए, हमारा भी उद्धार हो जाए। पर सभी को कल्याण का, उद्धार का रास्ता पता नहीं है। परमात्मा के पास पहुंचने का रास्ता पता नहीं है।

पर आप आत्माएं अगर आपके लाइट को ऑन रखेंगे तो उन सभी को उनके कल्याण का, उनके परिवर्तन का, परमात्मा के पास पहुंचने का, उनके कल्याण अर्थ, उनके परिवर्तन अर्थ रास्ता मिलता जाएगा। क्योंकि लाइट ही लाइट को रास्ता दिखा सकती है। अंधेरे में कभी रास्ता किसी को ना दिखता है ना कभी मिलेगा। इसलिए आप आत्माएं जब-जब आपकी लाइट को ऑन रखते हो, आप नहीं जानते कितनों को उनके जीवन में, उनके कल्याण अर्थ और परिवर्तन अर्थ रास्ता मिलता है। पर अगर आप ही मायावी संसार में व्यस्त रहेंगे, तो फिर से उनको जो रास्ता मिल रहा था, वहां अंधेरा आएगा। फिर वो भी मायावी अस्तित्व में, मायावी संसार में उलझे ही रहेंगे।

इसलिए आप सभी आत्माओं का कर्तव्य है कि सदैव आप आत्मा की लाइट को जागृत रखना और जब आपकी लाइट जागृत रहेगी, सदा ऑन रहेगी, आपको हर बात की स्पष्टता और सत्यता समझ में आती जाएगी। आपको सब समझ में आएगा, आपका कल्याण कहां है, किसमें है, आप आत्मा का परिवर्तन किससे होगा, कैसे होगा। आपको सारी सत्यता बिना किसी के बताए, आप आत्मा को पता चल जाएगी, जब आप आपके लाइट में स्थित रहेंगे।

जैसे ही लाइट में आप उपस्थित रहते हो, आपके मन के ऊपर विपरीत मायावी अस्तित्व का पर्दा भस्म हो जाता है। फिर आपके विचार शुद्ध हो जाते हैं। आप शुद्ध संकल्प रचने लगोगे। उस ही प्रकार से लाइट ऑन करने से, आपकी बुद्धि स्वच्छ, साफ होती जाएगी। जो-जो बुद्धि के अंदर कचरा पड़ा है, अब तक जो पड़ा लिखा है या फिर जो कुछ भी आंखों द्वारा देखा गया है, जो बुद्धि के अंदर स्टोर हुआ है; वह

सारा कचरा क्लीन होता जाएगा, बुद्धि साफ होगी, बुद्धि के ही अंदर निर्णय शक्ति है, वह निर्णय शक्ति मजबूत हो जाएगी। हर बार एक्क्यूरेटली आपके जीवन में लगने वाले, रोज के दिनचर्या में जिसकी जरूरत है, वो सारे निर्णय वह एक्क्यूरेटली दे पाएगी। क्योंकि आप लाइट में हो और लाइट में रहने के कारण, सारे गलत निर्णयों की ऊर्जा समाप्त हो जाएगी और आपके पास सही निर्णय करने की शक्ति इमर्ज हो पाएगी।

उस ही प्रकार से लाइट में रहने के कारण, आपके जो भी ऐसे संस्कार हैं, जो आपको छोड़ने हैं पर आप छोड़ नहीं पा रहे हैं; पर आप जितना-जितना लाइट में रहोगे, जो संस्कार छूट नहीं रहा है, जिससे आप परेशान हो, आपके संबंध-संपर्क वाले परेशान हैं, अपने आप लाइट में रहने के कारण वह संस्कार भी कमजोर होता जाएगा और एक समय पे वो समाप्त हो जाएगा, पूर्ण रूप से आपसे मुक्त हो जाएगा। इसलिए आप आत्मा आपकी लाइट को ऑन करने से, आपके मन-बुद्धि-संस्कारों में इतना सारा परिवर्तन शुरू हो जाएगा। साथ ही साथ, आप आत्मा की लाइट ऑन रहने के कारण वायुमंडल शुद्ध होता जाएगा।

संसार में कोई वायुमंडल में शुद्धि लाने के लिए कोई धूप, दीप, अगरबत्ती लगाते हैं, जलाते हैं; वह करने के बाद उनको एक फ्रेशनेस वायुमंडल में अनुभव होता है। यह क्या चीज है? वायुमंडल में जो भी वाइब्रेशन, पुराने वाइब्रेशन थे, उसमें आपने जो भी संसार में धूप, दीप, अगरबत्ती घर में करते हैं, उससे जैसे ही वह लगाया जाता है, उस धूप, दीप, अगरबत्ती जिस भी मटेरियल से बनी है, जैसे ही वह जलना शुरू हो जाती है, उसकी ऊर्जा वायुमंडल में फैलने लगती है। तो जो वायुमंडल में पुरानी ऊर्जा है, वह ऊर्जा वायुमंडल में तो वैसे ही रहती है, सिर्फ जो धूप, दीप, अगरबत्ती जलाने के बाद, उस मटेरियल की ऊर्जा वायुमंडल में ऊपर से ऐड हो जाती है। ऐसे नहीं है कि धूप, दीप, अगरबत्ती जलाने से पुरानी जो भी वायुमंडल में वाइब्रेशन्स है, ऊर्जा है वह पूर्ण रूप से मुक्त हो गए या वो समाप्त हो गए। जैसे ही उस धूप, दीप, अगरबत्ती का प्रभाव समाप्त हो जाएगा, वो जलकर समाप्त हो जाएंगे, बाद में फिर से आप उस वायुमंडल को ऑब्जर्व करना। आपको फिर से उस वायुमंडल में पुराने वाइब्रेशन महसूस होंगे। क्योंकि वह

ऊर्जा है और ऊर्जा को कोई मटेरियल अपने सुगंध की ऊर्जा से नहीं काट सकता। ऊर्जा को ऊर्जा ही लगेगी उसको परिवर्तित करने के लिए, उसको ट्रांसफॉर्म करने के लिए।

इसलिए अगर आत्माएं अपने लाइट को ऑन करते हैं, तो वायुमंडल में जो भी ऊर्जा फिलहाल उपस्थित है, उस ऊर्जा को जब कोई आत्मा अपने लाइट में स्थित रहती है, तो उस लाइट की ऊर्जा से वायुमंडल की ऊर्जा ट्रांसफॉर्म होती है, वो परिवर्तित होती है। इसलिए वायुमंडल में हल्कापन महसूस होगा। वायुमंडल में शांति महसूस होगी। आपने लाइट ऑन करने के कारण, कोई विपरीत ऊर्जा को आपने आपके लाइट से उसको सकारात्मक ऊर्जा में रूपांतरित किया। आपने उसका ट्रांसफॉर्मेशन किया।

संस्कार परिवर्तन माना क्या? संस्कारों का, पुराने संस्कारों का ट्रांसफॉर्मेशन और जो सुखकारक संस्कार है सभी के लिए, स्वयं के लिए और दूसरों के लिए, वह संस्कारों में उनका परिवर्तन। यह है संस्कार परिवर्तन। इसलिए ऊर्जा को आप आत्मा की ऊर्जा से ही ट्रांसफॉर्मेशन किया जा सकता है। फिर कितनी भी, कैसी भी परिस्थिति का वायुमंडल हो, आप आत्मा की लाइट ऑन होने पर वहां की परिस्थिति का वायुमंडल परिवर्तित होना निश्चित है। क्योंकि आत्मा के लाइट में इतनी विराट ताकत है।

इसलिए जितना-जितना आप लाइट में रहोगे, उतना-उतना आपके द्वारा वायुमंडल भी शुद्ध होता जाएगा और यह सेवा में गिना जाएगा। आपके कारण किसी एक स्थान का, किसी एक जगह का, आपके घर का वायुमंडल परिवर्तित हो गया, आप आत्मा के लाइट को ऑन करने के कारण। इसलिए आत्मा की लाइट सदैव जागृत रहना जरूरी है। पुण्य जल्द से जल्द कमाने का यह एक आसान और सहज तरीका है। आप आपकी लाइट को सदैव जागृत रखकर कर्म करें, व्यवहार करें, बोल बोलें। अपने आप, आपसे पुण्य कर्म ही होता जाएगा। आपको कहां बाहर दान करने की जरूरत नहीं है। आपकी लाइट ऑन होने से ही, आप आत्मा के वाइब्रेशन से गुण-शक्तियों का दान अपने आप मिलता जाएगा।

इसलिए सभी आत्माओं को पूरे दिन भर में चेक करना चाहिए कि — आज पूरे दिन भर में हम आत्मा की लाइट कितना समय तक जागृत थी, आप आत्मा ने कितना समय लाइट को कॉन्ससियसली जागरूक रखकर कर्म किया और आप आत्मा के पास कितना पुण्य जमा हुआ। हर कोई चेक करें।

भल संगम युग का समय अभी कम है, पर उस कम समय में आप आत्मा तेजी से आपका परिवर्तन कर सकती है और साथ ही साथ तेजी से आपके खाते में पुण्य जमा कर सकती है, जो आपके लिए ही, अगले कल्प के पार्ट के लिए काम में आएगा। सभी के पास पर्याप्त समय है अपने आप को परिवर्तन करने का, ट्रांसफॉर्म करने का। सिर्फ सभी सदैव ध्यान रखें, समय चला जाने के बाद आप कुछ नहीं कर पाओगे। ना ही आप आपका परिवर्तन कर पाओगे, ना ही आप पुण्य जमा कर पाओगे। इसलिए जो करना है समय के अंदर ही करना होगा। संगमयुग में, एक ही सभी आत्माओं का कर्तव्य है — सदैव अपनी लाइट को ऑन रखना।

सभी को नमस्ते।

ॐ परमात्मने नमः

सभी अपने लाइट को ऑन रखना।